नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-I

(भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. 'इतिहास–दर्शन' आ 'साहित्य के इतिहास–दर्शन' में का अन्तर बा ? स्पष्ट करीं ।
2. 'भोजपुरी साहित्य के इतिहास लेखन' के समस्या आ ओकर समाधान पर आपन स्पष्ट विचार लिखीं ।
3. भोजपुरी साहित्य के काल विभाजन आ नामकरण के आधार के औचित्य के विश्लेषित करीं ।
4. सिद्धसाहित्य में सरहपा के महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
5. 'शून्यवाद' से रउआ का समुझतानी । विस्तार से लिखी ।
6. भारतीय साहित्य, संस्कृति आ समाज पर भक्ति आन्दोलन के प्रभाव के विवेचन करीं ।
7. निगुर्ण काव्यधारा के विशेषता लिखी ।
8. कबीर के भक्त रूप के समीक्षा करीं ।
9. सरभंग सम्प्रदाय के पक्ष के विवेचन करीं ।
10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :–
    (क) दरिया साहेव
    (ख) श्री लछिमी सखी

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2017

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
03.04.2017	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
05.04.2017	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2017	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2017	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2017	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
15.04.2017	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
17.04.2017	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
19.04.2017	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भोजपुरीतर अन्य क्षेत्रीय भाषा-साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अवधी साहित्य के इतिहास के काल–विभाजन करत ओकर उपलब्धि के रूपरेखा खींची ।
2. मैथिली उपन्यास के विकास की चर्चा करीं ।
3. तिरहुता लिपि पर एगो टिप्पणी लिखीं ।
4. मगही के कथा साहित्य पर एगों निबंध लिखीं ।
5. बज्जिका के लोक साहित्य का सामान्य परिचय प्रस्तुत करीं ।
6. बज्जिका के व्याकरणिक कोटियन के विशेषता बताईं ।
7. अंगिका भाषा के नामकरण आ क्षेत्र विषयक विद्वान लोग का विचारन के मूल्यांकन करीं ।
8. अंगिका के लोक नाट्य परम्परा के बारे में बताईं ।
9. मगही के कृदन्त आ अव्यय के परिचय बताईं ।
10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखीं :–
    (क) ज्योतिरीश्वर ठाकुर
    (ख) मगही के मुहावरे

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2017

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
03.04.2017	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
05.04.2017	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2017	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2017	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2017	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
15.04.2017	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
17.04.2017	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
19.04.2017	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-III

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. काव्य के लक्षण प प्रकाश डालीं ।
2. महाकाव्य के स्वरूप पर विचार करी ।
3. काव्य हेतु के सम्बंध में विस्तार से विचार करी ।
4. काव्य का गुणनि के चरचा करी ।
5. काव्य प्रयोजन के सम्बन्ध में आचार्यनि के मतनि के चर्चा करी ।
6. शब्द शक्ति के अर्थ औ भेदनि के सोदाहरण बताई ।
7. कुंतक के वक्रोति सिद्धान्त के विवेचना करीं ।
8. ध्वनि सिद्धान्त के प्रमुख मान्यता पर विचार कर ।
9. रस–निष्पति प प्रकाश डालीं ।
10. छंद–शास्त्र के भारतीय परम्परा पर एगो लघु निबंध लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भोजपुरी अलोचना)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आलोचना, समालोचना आ समीक्षा के व्युत्पत्ति पर विचार करत, आलोचना के प्रक्रिया आ प्रयोजन के बारे में जानकारी दी ।
2. भोजपुरी सैद्धान्तिक आलोचना के विकास के सर्वेक्षण करत कुछ मुख्य आलोचक के योगदान के रेखांकित करीं ।
3. ''भोजपुरी के जीवन–वृतांतीय आलोचना के परिमाण ढेर बा'' एह कथन के प्रमाण सहित विवेचन करीं ।
4. ''का प्रकाशित पुस्तक का भूमिका से भोजपुरी आलोचना के विकास के सामग्री ग्रहण कहल जा सकेला ?'' विवेचन करीं ।
5. ''भोजपुरी आलोचना के इतिहास पत्र–पत्रिकन में छितराइल बा'' एह कथन का विचार करीं आ भोजपुरी आलोचना के सरूप पर चर्चा करीं ।
6. 'डॉ० उदयनारायण तिवारी के आलोचना कार्य के उल्लेख करीं आ ओकरा पद्धति पर विचार करीं ।
7. दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह 'नाथ' के भोजपुरी साहित्य के आलोचना के क्षेत्र में का योगदान बा ? बताई ।
8. ''डॉ० विवेकी राय सहृदय आलोचक हई ।'' एह कथन के पुष्टि करत डॉ० राय के आलोचना पद्धति पर विचार करीं ।
9. 'मानद भोजपुरी वर्त्तनी' में अपनावल गइल आचार्य विश्वनाथ सिंह जी के आलोचना पद्धति के बारे बतलाई ।
10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखीं :–
    (क) डॉ० शिववंश पाण्डेय
    (ख) भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-V

(प्रयोजनमूलक भोजपुरी)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. प्रयोजनमूलक भासा के रूप के बारे विस्तार से बताई ।
2. अनुवाद से का समझत बानी अनुवाद केतना प्रकार के होला ?
3. प्रयोजनमूलक भासा के विकास में पारिभाषिक शब्दावली के योगदान पर विचार करी ।
4. पारिभाषिक शब्दावली के बदलत रूप पर ओकरा इतिहास के आलोक में प्रकाश डाली ।
5. पल्लवन के प्रक्रियापर प्रकाश डाली ।
6. संक्षेपण करत कवन–कवन बात पर विशेष रूप से धियान देवे के चाही ।
7. कार्यालयी टिप्पणी के विभिन्न रूपन पर प्रकाश डालीं ।
8. परीक्षाफल सम्बन्धी जानकारी खातिर अपना दोस्त के चिट्ठी लिखी ।
9. समाचार के अनिवार्य तत्त्व पर प्रकाश डाली ।
10. 'विज्ञापन के का अर्थ होला ? विज्ञापन लेखन के अनिवार्य तत्त्वन पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VI

(भोजपुरी लोक साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. लोक साहित्य के स्वरूप आ महत्त्व पर प्रकाश डाली ।
2. 'लोक साहित्य आ शिष्ट साहित्य में जनक–जनित भाव बा' एह कथन पर युक्तियुक्त प्रकाश डाली ।
3. श्रव्य आ दृश्य काव्य के बारे में आपन विचार देत लोक नाट्य के विशेषता आ वर्गीकरण प्रस्तुत करी ।
4. लोक गीत के परिभाषित करी आ एकरा उत्पत्ति का विषय में विद्वानन के मान्यता के विवेचन करी ।
5. जन्म संस्कार से सम्बंधित कवनों संस्कार गीतन के चर्चा उदाहरण सहित करी ।
6. झूमर गीतन के विशेषता के विवेचन सोदाहरण करीं ।
7. 'जॅतसाह' के सम्बंध में एगो छोट निबंध लिखीं ।
8. लोक नाटक के विशेषता आ प्रकार पर प्रकाश डालीं ।
9. संस्कृति, सभ्यता आ लोकसंस्कृति के विवेचन करीं ।
10. भोजपुरी लोक गीतन के रूढ़ियन के विवेचना करी ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भोजपुरी कहानी)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. कहानी के मूल्यांकन करे में सुविधा खातिर प्रचलित कहानी के तत्त्व पर प्रकाश डाली ।
2. कहानी के वर्गीकरण के विभिन्न आधार के उल्लेख करत कहानी के प्रकार के चर्चा संक्षेप में करी ।
3. भोजपुरी कहानी के विकास के द्वितीय चरण (सन् 1962–90 ई०) के मुख्य उपलब्धियन के रेखांकित करीं ।
4. 'मछरी' कहानी के शैली–शिल्प के आधार पर मूल्यांकन करी ।
5. 'अपना घर के आदमी' लिखे के मुख्य समस्या के प्रस्तुत करत ओकरा औचित्य पर प्रकाश डालीं ।
6. 'बड़प्पन' कहानी के कथानक के समीक्षापूर्ण प्रस्तुति करी ।
7. 'बकसऽ ए विलार' के नायक के चरित्र–चित्रण करी ।
8. 'अपराधी' कहानी के संरचना शिल्प पर प्रकाश डालीं ।
9. 'तिरिआ जनम जनि दीह विधाता' के सार्थकता के विवेचन करी ।
10. सप्रसंग व्याख्या करी :–

    (क) आजकल बड़ा आदमी केकरा कहल जाता, जवन साला जतना चोरी, बेईमानी, घुसखोरी करके ढेर पइसा बटोर लेता, उहे बड़े आदमी बन जाता । बड़े आदमी बने खातिर बस इहे एगो रास्ता रह गइलबा ।

    (ख) का करना रउरा अतना कुल्हि राख के । के बा रउरा ? काहे माया मे ंफँसल बानी ? रामो जी त कोल–भील बानर का हित में काम कइले । राउसो जस गवाने लागी अगर ... ।''

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(भोजपुरी निबन्ध)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी काहे अष्टम–सूची में अबतक ना आइल, कारन बतावत ई बतलायीं कि एह खातिर का करे के जरूरत बा ?
2. डॉ० उदय नारायण तिवारी के कृतित्व पर संक्षेप में प्रकाश डालीं ।
3. गणेश चौबे के साहित्य सेवा के वर्णन करीं ।
4. भोजपुरी के विकास में क्षेत्रीयता साँचो बाधक बा ? तर्क सम्मत विवेचन करी आ सुधार के उपाय लिखीं ।
5. 'कजली बनारस क' निबन्ध के साहित्यिक आलोचना करीं ।
6. 'पनही' निबन्ध के ललित निबन्ध परम्परा में स्थान निर्धारित करीं ।
7. 'खटिया' के प्रयोग कहाँ–कहाँ वर्णित बा ? एह पर अपना शब्दन में प्रकाश डालीं ।
8. 'पानी' निबन्ध के औचित्य आ प्रासंगिकता विस्तार से लिखीं ।
9. 'जवानी' निबन्ध के विषय–वस्तु के बारे में विस्तार से लिखीं ।
10. 'पुल कमजोर बा' के समीक्षा करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-IX

(आधुनिक भोजपुरी साहित्यक इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आधुनिक भोजपुरी कविता के मुख्य काव्य प्रवृत्ति पर उदाहरण सहित प्रकाश डाली ।
2. आधुनिक भोजपुरी कविता में गजल अथवा दोहा–विधा के परम्परा आ विषय–वस्तु के उद्धरण सहित विवेचना करी ।
3. डॉ० विवेकीराय के कहानी–कला के मूल्यांकन करी ।
4. भोजपुरी कहानी साहित्य के विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
5. भोजपुरी के प्रमुख उपन्यासकार के परिचय दी ।
6. योगेन्द्र प्रसाद सिंह के उपन्यास 'फुलमतिया' के मूल्यांकन करीं ।
7. रामेश्वरनाथ तिवारी के निबंध के परिचय दी ।
8. भोजपुरी नाटक के मुख्य विशेषता के परिचय दीं ।
9. भोजपुरी पत्र–पत्रिकन के इतिहास लिखीं ।
10. 'भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका' में प्रकाशित पुस्तक–समीक्षा के परिचय देत आलोचना के क्षेत्र में ओकर योगदान के चर्चा करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2017

M.A. Bhojpuri, Part-II

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.06.2017	Paper–IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
06.06.2017	Paper–X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.06.2017	Paper–XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.06.2017	Paper–XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
12.06.2017	Paper–XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.06.2017	Paper–XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.06.2017	Paper–XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
19.06.2017	Paper–XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-X

(भाषा विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं।
सब प्रश्न के अंक समान बा।

खण्ड–"क"

1. भाषा से का समझत बानी ? प्रतिपादित करीं ।
2. भाषा विज्ञान के प्रधान आ गौण शाखा के विवेचन करीं ।
3. उच्चारण–अवयवन के निरूपण करीं आ छनियन के उत्पत्ति में विभिन्न प्रयोगन के स्पष्ट करीं ।
4. वाक्य परिवर्तन के कारणन के उल्लेख करीं ।
5. अर्थ परिवर्तन के प्रमुख सिद्धांतन के स्पष्टतया समुझा के लिखीं ।

खण्ड–"ख"

6. 'बिहारी भाषा' से रउआ का समझत हई । एक नाम ''बिहारी भाषा'' काहे पड़ल ?
7. मगही भाषा के नामकरण आ क्षेत्र–विस्तार पर प्रकाश डालीं ।
8. देवनागरी लिपि के उद्‌भव आ विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालीं ।
9. भोजपुरी में संज्ञा पद के स्त्रीलिंग बनावे के विभिन्न पद्धति पर विचार करीं ।
10. भोजपुरी शब्दन के व्युत्पत्ति बताई –
    अइसन, घरहिं, आजु, घड़ी, अउरि, तोड़, तइसन, ओइसन ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XI

(भोजपुरी गद्य के अन्य रूप)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. रेखाचित्रकार के रूप में निर्भीक जी के वर्ण्यविषय पर प्रकाश डालीं ।
2. 'सुरतिया ना बिसरे' रेखचित्र के कौनो दो पात्र के चरित्र–चित्रण करीं ।
3. 'हाड़ के ठटर' आ पगली' रेखचित्र के समीक्षा करीं ।
4. 'सुरथा के पथार' संस्मरण के मुख्य भाव अपना शब्द में लिखीं ।
5. लेखक के शब्दन में आज से 70–75 बरिस पहिले के भारत आ आज के समाज में अन्तर स्पष्ट करीं ।
6. यात्रा वृतांत साहित्य के इतिहास संक्षेप में लिखीं ।
7. 'आरा के कोइलबर' आ 'चली रामेश्वर धाम' के विषय–वस्तु से परिचित करवाई ।
8. आचार्य महेन्द्र शास्त्री के वैयक्तिक विचार के परिचय दीहीं ।
9. रिपोर्ताज के स्वरूप पर प्रकश डालीं ।
10. 'ऐनक' में वर्णित लोकहित के विषयन के समालोचन प्रस्तुत करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XII

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अनुकरण–सिद्धान्त के मौलिकता बतावत ओकर विश्लेषण करीं ।
2. विरेचन–सिद्धान्त प एगो वैचारिक टिप्पणी लिखी ।
3. टी० एस० इलियट के परम्परा आ वैयक्तिक प्रज्ञा विषयक विचारनि के विवेचन करीं ।
4. मूल्य–सिद्धान्त (आई० ए० रिचर्ड्स) के आलोचनात्मक परिचय दीं ।
5. ''सम्प्रेषण एगो अचेत क्रिया ह'' रिचर्डस के एह कथन के समीक्षा करीं ।
6. अभिव्यंजना–सिद्धान्त के तात्त्विक विवेचन करीं ।
7. कॉडवेल के समीक्षा–प्रणाली प एगो विस्तृत विवेचन प्रस्तुत करीं ।
8. ''कला अभिव्यक्ति के कुशलता से भरलि शक्ति हवे''– विश्लेषण करीं ।
9. हीगेल के कला सिद्धान्त के बोध स्पष्ट करीं ।
10. शैली विज्ञान के क्षेत्र पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(भोजपुरी प्रबंधकाव्य एवं मुक्तक काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से कम–से–कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड–क

1. कविराज विश्वनाथ के दिहल गइल महाकाव्य के परिभाषा पर विशेष रूप से विचार करत महाकाव्य के सिद्धांत पर विचार करीं।

2. भोजपुरी प्रबंध काव्यन के चरित्र–शिल्प पर विचार करत, ई बतलाई कि भोजपुरी प्रबंध काव्य चरित्र–योजना में सफलबा ।

3. 'कालजयी कुँवर सिंह' के निर्धारित सर्ग–तीसर, चउठ आ पँचवा के कथावस्तु के विस्तार से चर्चा करीं।

4. वस्तु–शिल्प पर विचार करत विश्वमित्र के रस–विधान के बारे में बतलाई।

5. ''बुद्धायन'' महाकाव्य में नायक आ अति विशिष्ट पात्र बुद्ध बाड़न । एह कथन पर विस्तार से विचार करीं।

खण्ड–ख

6. संत कवि पलटू दास के साहित्यिक देन के वर्णन करीं।

7. बटोहिया गीत में आइल महापुरूषन के संक्षेप में वर्णन करीं।

8. बगुला भगत कविता के समीक्षा करीं।

9. भोजपुरी कवियन में जितराम पाठक के स्थान निर्धारित करीं।

10. सप्रसंग व्याख्या लिखीं –

(क) चढु चढु ए सुगना गगन गम्हीर।
उ जे सीत मंद सुगंध समीर।।

(ख) दे गइल कचोट आ करार लेके चलि गइल
ले गइल बहार आ उजाड़ दे के चलि गइल
धॉव–धॉव चलत–चलत धाँव कहाँ छूट गइल।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(भोजपुरी उपन्यास)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. उपन्यास के कथानक के निर्माण के प्रक्रिया पर प्रकाश डालीं ।
2. टिप्पणी लिखीं :–
   (क) उपन्यास के उद्देश्य
   (ख) उपन्यास के लोकप्रियता
3. भोजपुरी उपन्यास में कुछ दिशासूचक उपन्यास पर प्रकाश डालीं ।
4. 'फुलसूंघी' के कथा–भाषा आ संवाद–योजना पर संक्षिप्त निबंध लिखीं ।
5. फुलसूंघी के नायक के हो सकत बा ? तर्क का साथ विवेचन करीं ।
6. 'इमरीतिया काकी' उपन्यास के महत्त्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखीं ।
7. इमरीतिया काकी के कथा के आलोचनात्मक प्रस्तुति करीं ।
8. 'ग्राम देवता' के उपन्यासकार के व्यक्ति–आ कृतित्व पर प्रकाश डालीं ।
9. ग्राम–देवता के शिल्प–योजना पर प्रकाश डालीं ।
10. ग्राम देवता के शीर्षक के औचित्य पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XV

(भोजपुरी नाटक)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. नाटक में रस आ आनन्द के प्राप्त करे के पूरा अवसर बा । एह कथन के विवेचन करीं ।
2. भोजपुरी नाटक के विकास के काल–विभाजन पर प्रकाश डालीं ।
3. भिखारी ठाकुर के समय के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आ सांस्कृतिक परिवेश के आकलन करीं ।
4. 'बिदेसिया' के प्रमुख रस कवन बा ? सोदाहरण प्रमाणित करीं ।
5. ''बिदेसिया'' एगो बहु उद्देशीय रचना बा''– प्रमाणित करीं ।
6. 'केहू ना हमार' नाटक के नामकरण पर विचार करीं ।
7. 'केहू ना हमार' नाटक में मानवतावाद के स्थापना भइल बा, ओकरा के विस्तार से लिखीं ।
8. 'शुरूआत' के कथा के आलोचनात्मक रूप में प्रस्तुत करीं ।
9. 'शुरूआत' के संवाद–योजना आ भाषिक–संरचना पर एगो छोट निबंध लिखीं ।
10. लछमिनिया भारतीय किसान के मेहरारू के प्रतिनिधित्व करत बीया, कइसे, समझा के लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(भोजपुरी से इतर भारतीय साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. वैदिक साहित्य के परिचय दीहीं ।
2. संस्कृत गीतिकाव्य परम्परा के परिचय दीहीं ।
3. मलयालम उपन्यास के उद्‌भव और विकास के परिचय दी ।
4. कन्नड़ आलोचना पर एगो निबंध लिखीं ।
5. गांधी–युग नामकरण के औचित्य पर विचार करत एह युग के साहित्यकारन के परिचय दीं ।
6. बंगला के वैष्णव साहित्य के परिचय दीं ।
7. उर्दू के हास्य–व्यंग्य साहित्य के परिचय दीं ।
8. तमिल के सुब्रमण्य भारती के देन के मूल्यांकन करीं ।
9. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रवृत्तियन पर प्रकाश डालीं ।
10. हिन्दी कहानी के विकास के रेखांकित करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ